B. A. Semester 5

Subject:- Compulsory Hindi Paper 5

हिन्दी उपन्यास साहित्य: 'गबन' एवं व्याकरण

UNIT 1:- CHAPTER - 1

☐ मुंशी प्रेमचंद के जीवन एवं कृतित्व का परिचय दीजिए। ☐

उत्तर:-

- प्रास्ताविक
- प्रेमचंद का जीवन परीचय
- कृतित्व का परिचय
- निष्कर्ष

प्रास्ताविक:-

प्रेमचंद हिन्दी और उर्दू के सर्वाधिक लोकप्रिय उपन्यासकार, कहानीकार एवं विचारक थे। उन्होंने सेवासदन, प्रेमाश्रम, रंगभूमि, निर्मला, गबन, कर्मभूमि, गोदान आदि लगभग डेढ़ दर्जन उपन्यास तथा कफन, पूस की रात, पंच परमेश्वर, बड़े घर की बेटी, बूढ़ी काकी, दो बैलों की कथा आदि तीन सौ से अधिक कहानियाँ लिखीं। उनमें से अधिकांश हिंदी तथा उर्दू दोनों भाषाओं में प्रकाशित हुईं। उन्होंने अपने दौर की सभी प्रमुख उर्दू और हिंदी पत्रिकाओं जमाना, सरस्वती, माधुरी, मर्यादा, चाँद, सुधा आदि में लिखा। उन्होंने हिंदी समाचार पत्र जागरण तथा साहित्यिक पत्रिका हंस का संपादन और प्रकाशन भी किया। इसके लिए उन्होंने सरस्वती प्रेस खरीदा जो बाद में घाटे में रहा और बंद करना पड़ा। प्रेमचंद फिल्मों की पटकथा लिखने मुंबई आए और लगभग तीन वर्ष तक रहे। जीवन के अंतिम दिनों तक वे साहित्य सृजन में लगे रहे। "महाजनी सभ्यता" उनका अंतिम निबंध, "साहित्य का उद्देश्य" अंतिम व्याख्यान, "कफन" अंतिम कहानी, "गोदान" अंतिम पूर्ण उपन्यास तथा "मंगलसूत्र" अंतिम अपूर्ण उपन्यास माना जाता है। १९०६ से १९३६ के बीच लिखा गया प्रेमचंद का साहित्य इन तीस वर्षों का सामाजिक सांस्कृतिक दस्तावेज है। इसमें उस दौर के समाजसुधार आंदोलनों, स्वाधीनता संग्राम तथा प्रगतिवादी आंदोलनों के सामाजिक प्रभावों का स्पष्ट चित्रण है। उनमें दहेज, अनमेल विवाह, पराधीनता, लगान, छूआछूत, जाति भेद, विधवा विवाह, आधुनिकता, स्त्री-पुरुष समानता आदि उस दौर की सभी प्रमुख समस्याओं का चित्रण मिलता है। 'आदर्शोन्मुख यथार्थवाद' उनके साहित्य की मुख्य विशेषता है। हिंदी कहानी तथा उपन्यास के क्षेत्र में १९१८ से १९३६ तक के कालखंड को 'प्रेमचंद युग' कहा जाता है।

क्रम	प्रश्न	उत्तर
1	प्रेमचंद किस भाषा के सर्वाधिक लोकप्रिय उपन्यासकार और साहित्यकार थे?	हिंदी और उर्दू
2	प्रेमचंद ने लगभग कितने उपन्यास लिखे हैं?	डेढ़ दर्जन
3	प्रेमचंद ने कितनी कहानियां लिखी है?	300 से अधिक
4	प्रेमचंद के किन्ही चार उपन्यासों के नाम लिखिए।	1 रंगभूमि, 2 गबन, 3 गोदान, 4 निर्मला
5	प्रेमचंद की किन्ही 6 कहानियों के नाम लिखिए।	1 कफन, 2 पुश की रात, 3 बड़े घर की बेटी, 4 पंच परमेश्वर, 5 बूढ़ी काकी, 6 दो बैलों की कथा।
6	प्रेमचंद किन-किन पत्रिकाओं में लेखन कार्य किया है?	अपने दौर की सभी उर्दू और हिंदी पत्रिकाएं:- जमाना, सरस्वती, माधुरी, मर्यादा, चांद, सुधा आदि।
7	प्रेमचंद मुंबई में कितने साल रहे?	3 साल
8	प्रेमचंद का अंतिम निबंध कौन सा माना जाता है?	महाजनी सभ्यता
9	प्रेमचंद का अंतिम व्याख्यान कौन सा है?	साहित्य का उद्देश्य
10	प्रेमचंद की अंतिम कहानी कौन सी है?	कफन
11	प्रेमचंद का अंतिम पूर्ण उपन्यास कौन सा है?	गोदान

12	प्रेमचंद का अंतिम अपूर्ण उपन्यास कौन सा है?	मंगलसूत्र
13	प्रेमचंद के साहित्य में किस प्रकार के सामाजिक प्रभाव का स्पष्ट चित्रण है?	सामाजिक सुधार आंदोलन, स्वाधीनता संग्राम तथा प्रगतिवादी आंदोलन
14	प्रेमचंद के साहित्य में कौन सी प्रमुख समस्याओं का चित्रण मिलता है?	दहेज, अनमेल विवाह, पराधीनता, लगान, छुआछूत, जाति भेद, विधवा विवाह, आधुनिकता, स्त्री पुरुष समानता आदि।
15	प्रेमचंद के साहित्य की मुख्य विशेषता क्या है?	आदर्शोन्मुख यथार्थवाद
40	हिंदी साहित्य के क्षेत्र में कौन से कालखंड को 'प्रेमचंद युग' कहां जाता है?	1918 से 1936 तक के कालखंड को

□ प्रेमचंद का जीवन परिचय:-

❖जन्म:-

प्रेमचंद का **जन्म ३१ जुलाई १८८० को वाराणसी जिले (उत्तर प्रदेश) के लमही गाँव में एक कायस्थ परिवार में** हुआ था। उनकी **माता का नाम आनन्दी देवी** तथा **पिता का नाम मुंशी अजायबराय** था जो लमही में डाकमुंशी थे। प्रेमचंद की **आरंभिक शिक्षा फ़ारसी** में हुई। प्रेमचंद के माता-पिता के संबंध में रामविलास

शर्मा लिखते हैं कि- “जब वे सात साल के थे, तभी उनकी माता का स्वर्गवास हो गया। **जब पंद्रह साल के हुए तब उनकी शादी कर दी गई और सोलह साल के होने पर उनके पिता का भी देहांत हो गया।**" इसके कारण उनका प्रारंभिक जीवन संघर्षमय रहा।

क्रम	प्रश्न	उत्तर
1	प्रेमचंद का जन्म कब हुआ था?	31 जुलाई 1880
2	प्रेमचंद का जन्म कहां हुआ था?	उत्तर प्रदेश के वाराणसी के लंबी नामक गांव में
3	प्रेमचंद का जन्म किस परिवार में हुआ था?	कायस्थ
4	प्रेमचंद के माता का नाम क्या था?	आनंदी देवी
5	प्रेमचंद के पिता का नाम क्या था?	मुंशी अजायब राय
6	प्रेमचंद के पिता का व्यवसाय क्या था?	डाक मुंशी थे
7	प्रेमचंद के आरंभिक शिक्षा किस भाषा में हुई?	उर्दू और फारसी
8	प्रेमचंद की माता का स्वर्गवास कब हुआ?	जब प्रेमचंद 7 साल के थे तब
9	प्रेमचंद का विवाह कब हुआ?	15 साल की आयु में
10	प्रेमचंद के पिता का देहांत कब हुआ?	जब वे 16 साल के थे तब

❖शिक्षा और विवाह:-

प्रेमचंद के जीवन का साहित्य से क्या संबंध है इस बात की पुष्टि रामविलास शर्मा के इस कथन से होती है कि- “सौतेली माँ का व्यवहार, बचपन में शादी, पंडे-पुरोहित का कर्मकांड, किसानों और क्लर्कों का दुखी जीवन-यह सब प्रेमचंद ने सोलह साल की उम्र में ही देख लिया था। इसीलिए उनके ये अनुभव एक जबर्दस्त सचाई लिए हुए उनके कथा-साहित्य में झलक उठे थे।" उनकी बचपन से ही पढ़ने में बहुत रुचि थी। १३ साल की उम्र में ही उन्होंने तिलिस्म-ए-होशरुबा पढ़ लिया और उन्होंने उर्दू के मशहूर रचनाकार रतननाथ ‘शरसार', मिर्ज़ा हादी रुस्वा और मौलाना शरर के उपन्यासों से परिचय प्राप्त कर लिया। उनका **पहला विवाह पंद्रह साल की उम्र में** हुआ। **१९०६ में उनका दूसरा विवाह शिवरानी देवी से हुआ** जो **बाल-विधवा** थीं। वे **सुशिक्षित महिला** थीं जिन्होंने **कुछ कहानियाँ और “प्रेमचंद घर में”** शीर्षक पुस्तक भी लिखी। उनकी तीन संताने हुईं- **श्रीपत राय, अमृत राय और कमला देवी श्रीवास्तव**। १८९८ में मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद वे एक स्थानीय विद्यालय में शिक्षक नियुक्त हो गए। नौकरी के साथ ही उन्होंने पढ़ाई जारी रखी। उनकी शिक्षा के संदर्भ में रामविलास शर्मा लिखते हैं कि- "1910 में अंग्रेज़ी, दर्शन, फ़ारसी और इतिहास लेकर इंटर किया और 1919 में अंग्रेज़ी, फ़ारसी और इतिहास लेकर बी. ए. किया।" **१९१९ में बी.ए. पास करने के बाद वे शिक्षा विभाग के इंस्पेक्टर पद पर नियुक्त हुए।**

क्रम	प्रश्न	उत्तर
1	प्रेमचंद के जीवन का साहित्य से क्या संबंध है?	बचपन से सौतेली मां का व्यवहार, कर्मकांड, किसानों का दुखी जीवन देख लिया था और इन्हीं सब का प्रभाव उनके साहित्य में झलकता

		है।
2	प्रेमचंद का दूसरा विवाह कब हुआ?	सन १९०६
3	प्रेमचंद की दूसरी पत्नी का नाम क्या था?	शिवरानी देवी
4	शिवरानी देवी क्या थी?	बाल विधवा
5	शिवरानी देवी शिक्षित थी या अशिक्षित?	सुशिक्षित
6	शिवरानी देवी ने क्या क्या लिखा है?	कुछ कहानियां और "प्रेमचंद घर में" शीर्षक से एक पुस्तक
7	प्रेमचंद की कितनी संताने थी?	3
8	प्रेमचंद की तीनों संतानों के नाम लिखें	श्रीपत राय, अमृतराय, कमला देवी
9	प्रेमचंद ने कौन से विषय लेकर बी. ए. किया था?	अंग्रेजी, फारसी और इतिहास
10	प्रेमचंद ने दिए कब पास किया था?	सन १९१९ में

❖व्यवसाय और कारावास:-

१९१९ में बी.ए. पास करने के बाद वे शिक्षा विभाग के इंस्पेक्टर पद पर नियुक्त हुए। १९२१ ई. में असहयोग आंदोलन के दौरान महात्मा गाँधी के सरकारी नौकरी छोड़ने के आह्वान पर स्कूल इंस्पेक्टर पद से २३ जून को त्यागपत्र दे दिया। इसके बाद उन्होंने लेखन को अपना व्यवसाय बना लिया। मर्यादा, माधुरी आदि पत्रिकाओं में वे संपादक पद पर कार्यरत रहे। इसी दौरान उन्होंने प्रवासीलाल के साथ मिलकर सरस्वती प्रेस भी खरीदा तथा हंस और जागरण निकाला। प्रेस उनके लिए व्यावसायिक रूप से लाभप्रद सिद्ध नहीं हुआ।

१९३३ ई. में अपने ऋण को पटाने के लिए उन्होंने मोहनलाल भवनानी के सिनेटोन कंपनी में कहानी लेखक के रूप में काम करने का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। फिल्म नगरी प्रेमचंद को रास नहीं आई। **वे एक वर्ष का अनुबंध भी पूरा नहीं कर सके और दो महीने का वेतन छोड़कर बनारस लौट आए।**

क्रम	प्रश्न	उत्तर
1	बी.ए. पास करने के बाद प्रेमचंद को किस पद पर नियुक्त किया गया?	शिक्षा विभाग के इंस्पेक्टर पद पर नियुक्ति हुई थी
2	प्रेमचंद ने सरकारी नौकरी क्यों छोड़ दी?	महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन के दौरान आवाहन मिलने पर
3	नौकरी छोड़ने के बाद प्रेमचंद ने कौन सा व्यवसाय अपनाया?	लेखक का
4	प्रेमचंद ने कौन सी पत्रिकाओं में संपादक का कार्य किया है?	मर्यादा, माधुरी, हंस, जागरण आदि।
5	प्रेस प्रेमचंद के लिए लाभप्रद सिद्ध हुआ या नहीं?	नहीं
6	प्रिंस छूट जाने के बाद प्रेमचंद ने किस काम का प्रस्ताव स्वीकारा?	मुंबई में सिनेटोन कंपनी में कहानी लेखक का
7	प्रेमचंद 2 महीने का वेतन छोड़कर वापस बनारस क्यों लौट आए?	क्योंकि उन्हें मुंबई और फिल्म नगरी रास नहीं आई और 3 वर्ष का अनुबंध भी पूर्ण नहीं किया।

❖निधन:-

१९३५ में स्वास्थ्य निरंतर बिगड़ता गया। लम्बी बीमारी के बाद ८ अक्टूबर १९३६ को उनका निधन हो गया।

क्रम	प्रश्न	उत्तर
1	प्रेमचंद का निधन कब हुआ?	८ अक्टूबर १९३६

□ कृतित्व का परिचय:-

❖साहित्यिक जीवन का आरंभ:-

प्रेमचंद के साहित्यिक जीवन का आरंभ १९०१ से हो चुका था। आरंभ में वे "नवाबराय" के नाम से उर्दू में लिखते थे। प्रेमचंद की पहली रचना के संबंध में रामविलास शर्मा लिखते हैं कि- "प्रेमचंद की पहली रचना, जो अप्रकाशित ही रही, शायद उनका वह नाटक था जो उन्होंने अपने मामा जी के प्रेम और उस प्रेम के फलस्वरूप चमारों द्वारा उनकी पिटाई पर लिखा था। इसका जिक्र उन्होंने 'पहली रचना' नाम के अपने लेख में किया है।" उनका पहला उपलब्ध लेखन उर्दू उपन्यास 'असरारे मआ बद' है जो धारावाहिक रूप में प्रकाशित हुआ। इसका हिंदी रूपांतरण "देवस्थान रहस्य" नाम से हुआ।

क्रम	प्रश्न	उत्तर
1	प्रेमचंद के साहित्य जीवन का आरंभ कब हुआ.	१९०१ से

2	आरंभ में प्रेमचंद किस नाम से लेखन कार्य करते थे?	नवाब राय नाम से
3	आरंभ में प्रेमचंद नवाबराय के नाम से किस भाषा में लिखते थे?	उर्दू
4	प्रेमचंद का पहला उपलब्ध उर्दू उपन्यास कौन सा है?	'असरारे मआबिद'
5	प्रेमचंद के कौन से उर्दू उपन्यास का हिंदी नाम देवस्थान रहस्य है?	'असरारे मआबिद'

❖'प्रेमचंद' नामकरण:-

प्रेमचंद का दूसरा उपन्यास **'हमखुर्मा व हमसवाब'** है जिसका हिंदी रूपांतरण **"प्रेमा"** नाम से १९०७ में प्रकाशित हुआ। **१९०८ ई. में उनका पहला कहानी सं ह सोज़े-वतन प्रकाशित हुआ। देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत इस सं ह को अं `ज़ सरकार ने प्रतिबंधित कर दिया और इसकी सभी प्रतियाँ जब्त कर लीं और इसके लेखक नवाब राय को भविष्य में लेखन न करने की चेतावनी दी। इसके कारण उन्हें नाम बदलकर प्रेमचंद के नाम से लिखना पड़ा। उनका यह नाम दयानारायन निगम ने रखा था।** 'प्रेमचंद' नाम से उनकी पहली कहानी बड़े घर की बेटी ज़माना पत्रिका के दिसम्बर १९१० के अंक में प्रकाशित हुई। १९१५ ई. में उस समय की प्रसिद्ध हिंदी मासिक पत्रिका सरस्वती के दिसम्बर अंक में पहली बार उनकी कहानी सौत नाम से प्रकाशित हुई। **१९१८ ई. में उनका पहला हिंदी उपन्यास सेवासदन प्रकाशित हुआ।** इसकी अत्यधिक लोकप्रियता ने प्रेमचंद को उर्दू से हिंदी का कथाकार बना दिया। हालाँकि उनकी लगभग सभी रचनाएँ हिंदी

और उर्दू दोनों भाषाओं में प्रकाशित होती रहीं। **उन्होंने लगभग ३०० कहानियाँ तथा डेढ़ दर्जन उपन्यास लिखे।**

क्रम	प्रश्न	उत्तर
1	प्रेमचंद के दूसरे उपन्यास का हिंदी नाम क्या था?	प्रेमा
2	प्रेमचंद का पहला कहानी संग्रह कब प्रकाशित हुआ?	१९०८ में
3	प्रेमचंद के पहले कहानी संग्रह का नाम क्या था?	सोजे वतन
4	अंग्रेजी सरकार ने प्रेमचंद के पहले कहानी संग्रह सोजे वतन को क्यों प्रतिबंधित कर दिया?	क्योंकि यह कहानी संग्रह देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत था।
5	अंग्रेजी सरकार ने सोजे वतन की सारी प्रतियाँ जप्त करके उसके लेखक नवाब राय को क्या चेतावनी दी?	भविष्य में लेखन कार्य न करने की चेतावनी दी।
6	सोजे वतन के लेखक नवाब राय को भविष्य में लेखन कार्य ना करने की चेतावनी मिलने के बाद भी लेखन कार्य चालू रखने के लिए लेखक ने क्या किया?	लेखक ने अपना नवाब राय नाम बदलकर प्रेमचंद के नाम से लेखन कार्य जारी रखा।
7	प्रेमचंद ने नवाब राय नाम से लेखन कार्य क्यों बंद कर दिया?	अंग्रेज सरकार की चेतावनी मिलने के कारण।
8	लेखक का प्रेमचंद नाम किसने रखा था?	दयानारायण निगम ने
9	प्रेमचंद के नाम से प्रकाशित होने वाली	बड़े घर की बेटी

	लेखक की पहली कहानी का नाम लिखिए।	
10	प्रेमचंद का पहला हिंदी उपन्यास कौन सा था?	सेवा सदन
11	प्रेमचंद का पहला हिंदी उपन्यास सेवा सदन कब प्रकाशित हुआ?	१९८१ में
12	प्रेमचंद जी ने लगभग कितने उपन्यास और कितनी कहानियां लिखी है?	लगभग 300 कहानियां और डेढ़ दर्जन उपन्यास लिखे हैं।
13	बड़े घर की बेटी कहानी किस पत्रिका में प्रकाशित हुई थी।	जमाना पत्रिका में

☐रचनाएँ:-

1. उपन्यास
2. कहानियां
3. नाटक
4. निबंध
5. चिट्ठी-पत्र
6. अनुवाद

7. विविध

8. संपादन

१. उपन्यास:-

- **असरारे मआ बद-** उर्दू साप्ताहिक आवाज-ए-खल्क़ में ८ अक्टूबर १९०३ से १ फरवरी १९०५ तक धारावाहिक रूप में प्रकाशित हुआ। कालांतर में यह हिंदी में **देवस्थान रहस्य** नाम से प्रकाशित हुआ।
- **हमखुर्मा व हमसवाब-** इसका प्रकाशन १९०७ ई. में हुआ। बाद में इसका हिंदी रूपांतरण **'प्रेमा'** नाम से प्रकाशित हुआ।
- **किशना-** इसके संदर्भ में अमृतराय लिखते हैं कि- "उसकी समालोचना अक्तूबर-नवंबर १९०७ के 'ज़माना' में निकली।" इसी आधार पर 'किशना' का प्रकाशन वर्ष १९०७ ही कल्पित किया गया।
- **रूठी रानी-** इसे सन् १९०७ में अप्रैल से अगस्त महीने तक ज़माना में प्रकाशित किया गया।
- **जलवए ईसार-** यह सन् १९१२ में प्रकाशित हुआ था।
- **सेवासदन-** १९१८ ई. में प्रकाशित सेवासदन प्रेमचंद का हिंदी में प्रकाशित होने वाला पहला उपन्यास था। यह मूल रूप से उन्होंने **'बाजारे-हुस्न' नाम से पहले उर्दू में लिखा गया** लेकिन इसका हिंदी रूप 'सेवासदन' पहले प्रकाशित हुआ। यह स्त्री समस्या पर केंद्रित उपन्यास है जिसमें दहेज-प्रथा, अनमेल विवाह, वेश्यावृत्ति, स्त्री-पराधीनता आदि समस्याओं के कारण और प्रभाव शामिल हैं। डॉ रामविलास शर्मा 'सेवासदन' की मुख्य समस्या भारतीय नारी की पराधीनता को मानते हैं।

- **प्रेमाश्रम (१९२२)-** यह किसान जीवन पर उनका पहला उपन्यास है। इसका मसौदा भी पहले उर्दू में 'गोशाए-आफियत' नाम से तैयार हुआ था लेकिन इसे पहले हिंदी में प्रकाशित कराया। यह अवध के किसान आंदोलनों के दौर में लिखा गया। इसके संदर्भ में वीर भारत तलवार "किसान राष्ट्रीय आन्दोलन" और "प्रेमचन्द:1918-22" पुस्तक में लिखते हैं कि- "1922 में प्रकाशित 'प्रेमाश्रम' हिंदी में किसानों के सवाल पर लिखा गया पहला उपन्यास है। इसमें सामंती व्यवस्था के साथ किसानों के अंतर्विरोधों को केंद्र में रखकर उसकी परिधि के अंदर पड़नेवाले हर सामाजिक तबके का-ज़मींदार, ताल्लुकेदार, उनके नौकर, पुलिस, सरकारी मुलाजिम, शहरी मध्यवर्ग-और उनकी सामाजिक भूमिका का सजीव चित्रण किया गया है।"
- **रंगभूमि (१९२५)-** इसमें प्रेमचंद एक अंधे भिखारी सूरदास को कथा का नायक बनाकर हिंदी कथा साहित्य में क्रांतिकारी बदलाव का सूत्रपात करते हैं।
- **निर्मला (१९२५)-** यह अनमेल विवाह की समस्याओं को रेखांकित करने वाला उपन्यास है।
- **कायाकल्प (१९२६)**
- **अहंकार-** इसका प्रकाशन कायाकल्प के साथ ही सन् १९२६ ई. में हुआ था। अमृतराय के अनुसार यह "अनातोल फ्रांस के 'थायस' का भारतीय परिवेश में रूपांतर है।"
- **प्रतिज्ञा (१९२७)-** यह विधवा जीवन तथा उसकी समस्याओं को रेखांकित करने वाला उपन्यास है।
- **गबन (१९२८)-** उपन्यास की कथा रमानाथ तथा उसकी पत्नी जालपा के दांपत्य जीवन, रमानाथ द्वारा सरकारी दफ्तर में ग़बन, जालपा का उभरता व्यक्तित्व इत्यादि घटनाओं के इर्द-गिर्द घूमती है।

- **कर्मभूमि (१९३२)-** यह अछूत समस्या, उनका मंदिर में प्रवेश तथा लगान इत्यादि की समस्या को उजागर करने वाला उपन्यास है।
- **गोदान (१९३६)-** यह उनका अंतिम पूर्ण उपन्यास है जो किसान-जीवन पर लिखी अद्‌वितीय रचना है। इस पुस्तक का अंग्रेजी अनुवाद 'द गिफ्ट ऑफ़ काओ' नाम से प्रकाशित हुआ।
- **मंगलसूत्र (अपूर्ण)-** यह प्रेमचंद का अधूरा उपन्‌यास है जिसे उनके पुत्र अमृतराय ने पूरा किया। इसके प्रकाशन के संदर्भ में अमृतराय प्रेमचंद की जीवनी में लिखते हैं कि इसका- “प्रकाशन लेखक के देहान्त के अनेक वर्ष बाद १९४८ में हुआ।"

क्रम	प्रश्न	उत्तर
1	प्रेमचंद का पहला उर्दू उपन्यास कौन सा है?	'असरारे मआबिद'
2	प्रेमचंद के पहले हिंदी उपन्यास का नाम क्या है?	सेवा सदन
3	सेवा सदन कब प्रकाशित हुआ?	१९८१ में
4	सेवासदन उपन्यास का केंद्रीय विषय वस्तु क्या है?	स्त्री समस्या और भारतीय नारी की पराधीनता
5	सेवासदन उपन्यास में किन किन समस्याओं का चित्रण किया गया है?	दहेज प्रथा, अनमेल विवाह, वेश्यावृत्ति, स्त्री पराधीनता
6	प्रेमचंद के दूसरे हिंदी उपन्यास का नाम लिखिए।	प्रेमाश्रम
7	प्रेमाश्रम उपन्यास कब प्रकाशित हुआ?	१९२२ में
8	किसान जीवन पर लिखा गया पहला हिंदी	प्रेमाश्रम

	उपन्यास कौन सा है?	
9	प्रेमाश्रम उपन्यास में प्रेमचंद ने किसान जीवन की किन-किन बातों को केंद्र में रखा है?	सामंती व्यवस्था के साथ किसानों का अंतर्विरोध, ज़मींदार, ताल्लुकेदार, उनके नौकर, पुलिस, सरकारी मुलाजिम, शहरी मध्यवर्ग आदि बातों को केंद्र में रखकर उनका सजीव चित्रण किया गया है।
10	हमारे पाठ्यक्रम में प्रेमचंद का कौन सा उपन्यास पढ़ाया जाता है?	गबन
11	प्रेमचंद ने अपने किस उपन्यास में अंधे भिखारी सूरदास को कथा का नायक बनाकर हिंदी कथा साहित्य में क्रांतिकारी बदलाव का सूत्रपात किया है?	रंगभूमि
12	प्रेमचंद ने अपने प्रतिज्ञा उपन्यास में किस समस्या का चित्रण किया है?	विधवा जीवन तथा उनकी समस्याएं
13	"गबन" उपन्यास में गबन कौन करता है?	कथा नायक रमानाथ
14	प्रेमचंद के कौन से उपन्यास में अछूत समस्या, उनका मंदिर में प्रवेश तथा लगान इत्यादि की समस्या को उजागर किया गया है?	कर्मभूमि
15	प्रेमचंद का अंतिम पूर्ण उपन्यास कौन सा	गोदान

	है?	
16	प्रेमचंद के किस पुस्तक का अंग्रेजी अनुवाद 'द गिफ्ट ऑफ़ काओ' नाम से हुआ है?	गोदान
17	प्रेमचंद का अंतिम अधूरा उपन्यास कौन सा है?	मंगलसूत्र
18	प्रेमचंद के अंतिम अपूर्ण उपन्यास मंगलसूत्र को किसने पूर्ण किया?	उनके पुत्र अमृतराय ने
19	प्रेमचंद के किस उपन्यास में अनमेल विवाह की समस्या का चित्रण किया गया है?	निर्मला

२. कहानियाँ:-

इनकी अधिकतर कहानियों में निम्न व मध्यम वर्ग का चित्रण है।

डॉ॰ कमलकिशोर गोयनका ने प्रेमचंद की संपूर्ण हिंदी-उर्दू कहानी को प्रेमचंद कहानी रचनावली नाम से प्रकाशित कराया है। उनके अनुसार प्रेमचंद ने कुल ३०१ कहानियाँ लिखी हैं जिनमें ३ अभी अप्राप्य हैं। प्रेमचंद का पहला कहानी संग्रह सोज़े वतन(राष्ट्र का विलाप) नाम से जून १९०८ में प्रकाशित हुआ। इसी संग्रह की पहली कहानी दुनिया का सबसे अनमोल रतन को आम तौर पर उनकी पहली प्रकाशित कहानी माना जाता रहा है। डॉ॰ गोयनका के अनुसार कानपुर से निकलने वाली उर्दू मासिक पत्रिका ज़माना के अप्रैल अंक में प्रकाशित सांसारिक प्रेम और देश-प्रेम (इश्के दुनिया और हुब्बे वतन) वास्तव में उनकी पहली प्रकाशित कहानी है।

कहानी सं ह-

- **सप्तसरोज-** १९१७ में इसके पहले संस्करण की भूमिका लिखी गई थी। सप्तसरोज में प्रेमचंद की सात कहानियाँ संकलित हैं। उदाहरणतः बड़े घर की बेटी, सौत, सज्जनता का दण्ड, पंच परमेश्वर, नमक का दारोगा, उपदेश तथा परीक्षा आदि।
- **नवनिधि-** यह प्रेमचंद की नौ कहानियों का संग्रह है। जैसे-राजा हरदौल, रानी सारन्धा, मर्यादा की वेदी, पाप का अग्निकुण्ड, जुगुनू की चमक, धोखा, अमावस्या की रात्रि, ममता, पछतावा आदि।
- **'प्रेमपूर्णिमा',**
- **'प्रेम-पचीसी',**
- **'प्रेम-प्रतिमा',**
- **'प्रेम-द्वादशी',**
- **समरयात्रा-** इस संग्रह के अंतर्गत प्रेमचंद की ११ राजनीतिक कहानियों का संकलन किया गया है। उदाहरणस्वरूप-जेल, कानूनी कुमार, पत्नी से पति, लांछन, ठाकुर का कुआँ, शराब की दुकान, जुलूस, आहुति, मैकू, होली का उपहार, अनुभव, समर-यात्रा आदि।
- **मानसरोवर: भाग एक व दो** और 'कफन'। उनकी मृत्यु के बाद उनकी कहानियाँ 'मानसरोवर' शीर्षक से ८ भागों में प्रकाशित हुई।

क्रम	प्रश्न	उत्तर
1	प्रेमचंद की अधिकतर कहानियों में किस वर्ग का चित्रण है?	निम्न एवं मध्यमवर्ग का
2	डॉ॰ कमलकिशोर गोयनका ने प्रेमचंद की संपूर्ण हिंदी-उर्दू कहानी को किस नाम से	प्रेमचंद कहानी रचनावली के नाम से

	प्रकाशित कराया है?	
3	सप्तसरोज नामक कहानी संग्रह में प्रेमचंद की कितनी कहानियों का समावेश किया गया है?	प्रेमचंद की पहली 7 कहानियों का
4	नवनिधि नामक कहानी संग्रह में कितनी कहानियों का संग्रह है?	९
5	प्रेमचंद की मृत्यु के बाद उनकी कहानियां किस शीर्षक से आठ भागों में प्रकाशित हुई?	मानसरोवर शीर्षक से
6	किस कहानी संग्रह में प्रेमचंद की 11 राजनीतिक कहानियों का संकलन किया है?	समरयात्रा कहानी संग्रह में

३. नाटक:-

- **सं ाम (१९२३)-** यह किसानों के मध्य व्याप्त कुरीतियाँ तथा किसानों की फिजूलखर्ची के कारण हुआ कर्ज और कर्ज न चुका पाने के कारण अपनी फसल निम्न दाम में बेचने जैसी समस्याओं पर विचार करने वाला नाटक है।
- **कर्बला (१९२४)**
- **प्रेम की वेदी (१९३३)**

ये नाटक शिल्प और संवेदना के स्तर पर अच्छे हैं लेकिन उनकी कहानियों और उपन्यासों ने इतनी ऊँचाई प्राप्त कर ली थी कि नाटक के क्षेत्र में

प्रेमचंद को कोई खास सफलता नहीं मिली। ये नाटक वस्तुतः संवादात्मक उपन्यास ही बन गए हैं।

क्रम	प्रश्न	उत्तर
1	प्रेमचंद द्वारा लिखित नाटक के नाम लिखिए।	संग्राम, कर्बला, प्रेम की वेदी
2	प्रेमचंद के नाटक किस संयंत्र पर अच्छे हैं?	शिल्प और संवेदना के स्तर पर
3	प्रेमचंद के नाटक वस्तुतः क्या बनकर रह गए हैं?	संवादात्मक उपन्यास

४. निबंध:-

साहित्य का उद्देश्य- इसी नाम से उनका एक निबंध-संकलन भी प्रकाशित हुआ है जिसमें ४० लेख हैं।

प्रेमचंद के कुछ निबंधों की सूची निम्नलिखित है-

- पुराना जमाना नया जमाना,
- स्वराज के फायदे,
- कहानी कला (1,2,3),
- कौमी भाषा के विषय में कुछ विचार,
- हिंदी-उर्दू की एकता,
- महाजनी सभ्यता,
- उपन्यास,
- जीवन में साहित्य का स्थान।

क्रम	प्रश्न	उत्तर
1	किस नाम से प्रेमचंद का निबंध संकलन प्रकाशित हुआ है?	"साहित्य का उद्देश्य" नाम से
2	"साहित्य का उद्देश्य" नाम से प्रकाशित होने वाले निबंध संकलन में कितने लेख है?	४०
3	प्रेमचंद के किन्हीं चार निबंधों के नाम लिखिए।	➢ हिंदी-उर्दू की एकता, ➢ महाजनी सभ्यता, ➢ उपन्यास, ➢ जीवन में साहित्य का स्थान

५. चिट्ठी-पत्र:-

चि ी-पत्री- यह प्रेमचंद के पत्रों का संग्रह है। दो खंडों में प्रकाशित इस पुस्तक के पहले खंड के संपादक अमृतराय और मदनगोपाल हैं। इस पुस्तक में प्रेमचंद के दयानारायन निगम, जयशंकर प्रसाद, जैनेंद्र आदि समकालीन लोगों से हुए पत्र-व्यवहार संग्रहित हैं। संकलन का दूसरा भाग अमृतराय ने संपादित किया है।

क्रम	प्रश्न	उत्तर
1	चि ी पत्र क्या है?	यह प्रेमचंद के पत्रों का संग्रह है।
2	चि ी पत्र कितने खंडों में विभाजित है?	२ खंडों में

3	चि ी पत्र नामक पुस्तक ले क्या संग्रहित है?	प्रेमचंद के दयानारायन निगम, जयशंकर प्रसाद, जैनेंद्र आदि समकालीन लोगों से हुए पत्र-व्यवहार संग्रहित हैं।

६. अनुवाद:-

प्रेमचंद एक सफल अनुवादक भी थे। उन्होंने दूसरी भाषाओं के जिन लेखकों को पढ़ा और जिनसे प्रभावित हुए, उनकी कृतियों का अनुवाद भी किया। उन्होंने **'टॉलस्टॉय की कहानियाँ' (1923), गाल्सवद के तीन नाटकों का हड़ताल (1930), चाँदी की ड बया (1931) और न्याय (1931)** नाम से अनुवाद किया। उनका रतननाथ सरशार के उर्दू उपन्यास फसान-ए-आजाद का हिंदी अनुवाद आजाद कथा बहुत मशहूर हुआ।

क्रम	प्रश्न	उत्तर
1	प्रेमचंद ने किन-किन कृतियों का अनुवाद किया है?	➢ 'टॉलस्टॉय की कहानियाँ' (1923), ➢ गाल्सवद के तीन नाटकों का:- हड़ताल (1930), चाँदी की डबिया (1931) और न्याय (1931) ➢ फसान-ए-आजाद का हिंदी अनुवाद आजाद

		कथा

८. संपादन:-

प्रेमचन्द ने 'जागरण' नामक समाचार पत्र तथा 'हंस' नामक मासिक साहित्यिक पत्रिका का सम्पादन किया था। उन्होंने सरस्वती प्रेस भी चलाया था। वे उर्दू की पत्रिका 'जमाना' में नवाब राय के नाम से लिखते थे।

क्रम	प्रश्न	उत्तर
1	प्रेमचंद ने किस समाचार-पत्र का संपादन किया?	जागरण
2	प्रेमचंद ने किस मासिक साहित्यिक पत्रिका का संपादन किया था?	हंस
3	प्रेमचंद किस पत्रिका में नवाब राय के नाम से लेखन कार्य करते थे?	उर्दू की पत्रिका "जमाना" में

□ नि कर्ष:-

निष्कर्ष में हम कह सकते हैं कि **प्रेमचंद साहित्य की वैचारिक यात्रा आदर्श से यथार्थ की ओर उन्मुख है।** सेवासदन के दौर में वे यथार्थवादी समस्याओं को चित्रित कर रहे थे साथ ही साथ उसका एक आदर्श समाधान भी निकाल रहे थे। १९३६ तक आते-आते महाजनी सभ्यता, गोदान और कफ़न जैसी रचनाएँ अधिक यथार्थपरक हो गईं, किंतु उसमें समाधान नहीं सुझाया गया। **अपनी विचारधारा को प्रेमचंद ने आदर्शोन्मुख यथार्थवादी कहा है।** इसके साथ ही प्रेमचंद स्वाधीनता

संग्राम के सबसे बड़े कथाकार हैं। इस अर्थ में उन्हें राष्ट्रवादी भी कहा जा सकता है। **प्रेमचंद के साहित्य से जान पड़ता है कि वह मानवतावादी भी थे और मार्क्सवादी भी।**

क्रम	प्रश्न	उत्तर
1	अपनी विचारधारा को प्रेमचंद ने कैसा कहा है?	आदर्शोन्मुख यथार्थवादी
2	प्रेमचंद को राष्ट्रवादी किस अर्थ में कहा जा सकता है?	वे स्वाधीनता संग्राम के सबसे बड़े कथाकार रहे हैं इस अर्थ में...